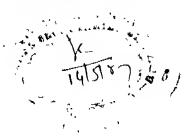


असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग I—स्पन्न 3 PART I—Section 3

भाषिकार से श्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



1] No. 1] नई बिल्ली, सोमबार, मार्च 23, 1987/चंत्र 2, 1909 NEW DELHI, MONDAY, MARCH 23, 1987/CHAITRA 2, 1909

इस भाग में भिन्म पूछ संस्था वी चाती हैं जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रका मंत्रालय

नई विस्सी, 18 मार्च, 1987

संकल्प

सं. 1 (अ): -- समस्त्र सेनाओं के अफसद रैंक से नीचे के कार्मिकों के संबंध में चतुर्य केन्द्रीय वेतन आयोग की सिकारिशों पर सरकार के निर्णय रक्षा मंत्रालय के 4 अक्तूबर, 1986 के संकल्प मं. 1-अ में अभिमुचित किए गए थे। सरकार ने अब कमीशन प्राप्त अफसरों की परिविध्यों और महों की संस्वना के संबंध में आयोग की सिकारिशों पर ध्यानपूर्वक विचार किया है और यह निर्णय किया है कि इन के संबंध में आयोग की सिकारिशों सामाध्यतः निम्नलिखित संशोधन करके स्वीकार की जाएंगी: --

I. बेसनमान

(1) ब्रिगेडियर (सेमा चिकिस्सा कोर, सेना दन्त चिकित्सा कोर ग्रीर रिमाउण्ट पणु चिकित्सा कोर) (आर वी सी) (अफसरों सहित, लेकिन सैन्य परिचयीं सेवा अफसरों को छोड़कर) ग्रीर नीसेना तथा वायुसेना में समकक्ष रैंक तक के अफसरों के लिए एकीक्कत बेतनमान 2300-100-3900-150-4200-व.रो. 150-5100 रुपये होगा। एकीक्कत बेतनमान में बेतन के अतिरिक्त रैंक वेतन इस प्रकार देय होगा:-

t _{to}								रैंक वेतन की रावि (क.प्रतिमाह)
कैप्टन भीर समकक्ष	_							200
मेजर और समकन		•			•	,	•	600
से.कर्नंक (चयन) घीर समकक्ष							•	800
कर्नल ग्रीर समकक	•		,	,		-		1000
क्रिगेडियर और समकक्ष		•			-	-		1200

(1)

- (2) सेना चिमित्सा कोर में लेपिटर्नेंट के रूप में कमीशन प्राप्त अफसरों का वैतन 2600 रुपये के स्तर से शास्त होगा; कैंग्टन के रूप में तियुक्त अफसरों का बेसन 2700 रु. से शुरू होगा। सेना वस्त चिकित्सा कोर और रिमाउण्ट पशु चिकित्सा कोर में लेक्टिनेंट के रूप में कमीशन प्राप्त अफसरों का बेसन 2600 रुपये से शुरू होगा।
 - (3) लेपिटनेंट जनरूल ग्रीर समक्त -7300-100-7600 रुपये।
- (4) सैन्य परिचर्या सेवा में कर्नल के रैंक तक के अफमरों का एकी कृत वैतनभान 2200-100-4200-व. रो.-100-4500 रुपये होगा। निर्मिण में डिगी धारक अफगरों का बेहन 2300 र. रे शुरू होगा और डिप्लोमा धारकों का बेतन 2200 रुपये से शुरू होगा। त्रिगेडियर का बेतनमान 4600-100-5000 र. होगा और मेजर जनरल का बेतनमान 5100-150-5700 र. होगा। सैन्य परिचर्या अफसरों के लिए कोई रैंक बेतन नहीं होगा।

II. अन्य मामलों से संबंधित लिफारिशों

- (i) यह निर्णय किया गया है कि अवरूद्धता वैतनवृद्धि की योजना को, जिसकी वैतन आयोग ने सिफारिश की है, कतिपय शतों के अधीम रक्षा सेवाफों के उन अफसरों पर लागू किया जाए जिनका संशोधित वेतनमान में अधिकतम वैतनमान 6700 घ. से अधिक नहीं है।
- (ii) बेतन निर्धारण, भसों की स्वीकृति, प्रभावी होने की क्षारीख आदि से गंबंधित आयोग की सिफारिशों को अफसर रेंक से नीचे के कार्मिकों के संबंध में स्वीकृत सुध।रों को, जहां कहीं व्यवहार्य हो, मैन्य अफसरीं पर लागू करने के बाद सामान्यतः स्वीकार कर लिया जाएगा।
- 2. मुद्रा स्फीतिकारी प्रवृत्तियों को नियंजित करने की आवस्यकता को प्यान में रखते हुए सरकार यह आधा करती है कि सेना अफसर अपर्युक्त निर्णयों के फलस्वरूप प्राप्त होने वाली मार्च, 1986 के बाद की अवधि के दौरान वेतन की बकाया राणि को भी अपनी भविष्य निधि में स्वैच्छापूर्वक विशेष तौर पर जमा कर देंगे।
- 3. सैन्य अफसरों के संबंध में आयोग की विधिश्त सिफारणों पर सरकार द्वारा तवनुसार लिए गए निर्णय इस संकल्प के साथ संलग्न विवरण में विए गए हैं≀
- 4. आयोग द्वारा की गई जो सिकारिमों अनुबंध में गामिल नहीं हैं, उन पर सरकार द्वारा विश्वार किया जा रहा है घौर उनके संबंध में लिए जाने वाले निर्णयों को अलग से अधिसृचित कर दिया जाएगा।

वी. एन. बहादुर, संयुक्त सचिव

समस्त्र सेना अफसरों के संबंध में चतुर्ष केन्द्रीय जेतन आयोग की सिफारिशों और उन पर सरकार के निर्णयों को दर्शाने वाला जिवरण (कोल्टकों में दिए गए आंकड़े बेतन आयोग की रिपोर्ट के अध्यायीं और पैराग्राफीं से संबंधित हैं)

	1444 (1144)						
कृम सं	म सं वेतन आयोग की सिफारिश		सरकार का निर्यय				
 1 वेतन सं	रचना - क्रिगेडियर भीर समकक्ष रैंक स	नः के मैन्य अफसर					
(ক)) एकीकृत बेननमाम –तीनों सेनाधों में सेना दन्त चिकित्सा कोर ग्रौर रिमा		(क) निम्नलिखित सुझार करके स्वीकार	कर ली गई:			
	कोर के विभिन्धि संबगों के अफसरों समकक्ष रैंक के सभी अफसरों के रि 4200-द.रो-100-5000 द. एकी सिफारिश की जाती है।	सहित विनेकियर घौ र तए 2300-100-	2300-100-3900-150-4200 व. शे	-150-5100 हमये			
(ख) रैंक वेतन—एकीकृत वेतनमान में केतन के अतिरिक्त, धलसेना के अफसरों भौर अन्य मेबाभों में उनके समयक्ष अफसरों को निम्मलिखित रैंक वेतन विए आएं:		(खा) मिम्मलिखिल सुग्नार करके स्वीकार कर ली गई:-					
	रेंक	रैक घेतन की राशि	रेंक	रैंक वेसन की राशि			
		 (६. प्रतिमाह)		(त. प्रतिमाद्)			
≠ 1.	कीप्टन भीर समकका	200	कैप्टन ग्रीर समकक्ष	200			
. 2.	मेजर और समकक्ष	400	मेजर झीर समकक्ष	600			
3.	ल . कर्मेल (चयन) झौर समकक्ष	600	ले, क र्न ल (चयन) ग्रीर समक क	800			
4.	कर्मेल भीर समकक्ष	800	कर्नल ग्रीर समक <i>का</i>	1000			
5.	बिगेडियर भीर समकक्ष	1 2 0 0	क्रिगेडियर ग्रीर समकक्ष	1200			
	शौसेना में कैंग्टन, उस रैंक में तीस के बाद क्रिगेडियर के लिए अनुशंसि प्रतिभाह का रैंक वेतन आहत करेग	ात किया गया 1200 र.	•				

बेतन आयोग की सिफारिक

क्रम सं.

सरकार का निर्णय

(ग) सेना चिकित्सा कोर, सेना दस्त चिकित्सा कोर भीर रिमाण्डट (ग) सेना चिकित्सा कोर, सेना वैत चिकित्सा कीर और रिमाउण्ट पश् पशु चिकित्सा कोर में भर्ती मए असफसरों का वेतन: चिकित्सा कोर में भरती नए अफसरों का वेतन इस प्रकार होगा:~ सेना चिकिस्सा कीर, सेना दल्त चिकित्सा कोर भीर रिमाउण्ट पशु चिकित्सा कीर में भर्ती नए अफसरों को एकी इत बेतन-मान में बैतन इस प्रकार दिया जाएं: ---सेना भि. सैना वंत सेना चि. रि. पशु सेना वंत रि, पशु चि. कोर चि.कोर *सेपिटर्नेट 1. इस्टर्म 2500 ₹. 2400 頁, 2400 耳. 2600 ব. 2600 ₹. 2600 ₹. 2 रिअस्टरं 2600 ቒ. 2500 ₹. 2500 ₹. कैप्टन 2700 €. *(सेना दंत चिकित्सा कोर भौर रिमाउण्ट पणु चिकित्सा कोर में पंजीकृत (28.19)चिकित्सकों को लेप्टिनेंट के रूप में कभीशन विया जाता है) (च) दक्ततारोध का विनियमन: गैर-चयन शाखा में शामिल अफसरों के लिए आवधिक पुनरीका की जानी चाहिए ताकि उनमें से ऐसे अफसरों, जो भौर आगे उपयोगी न हों, को सेवानिवृत्ति की निर्धारित आयु तक एकीकृत वैतनमान में बने रहने की अनुमति न दी आए। सरकार को चयन प्रक्रिया भीर अफसरों की समय-पूर्व (च) स्वीकार कर ली गई। सेवानिवृत्ति के बारे में मीजूदा नियमों की समीक्षा करनी चाहिए ताकि दक्षतारीघ के स्तर पर जो अफसर अण्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं, उन्हें सेवा में न बनाए रखा जाए। (28.15)(ड) चयन ग्रेड़ों को समाप्त करना: मेजर भीर समकक्ष तथा लेपिटनॅट कर्नल भीर समकक्ष (ब) स्वीकार कर ली गई। रैंकों में मौजुबा चयन ग्रेकों को समाप्त कर दिया जाना चाहिए। (28.14)2. मेजर जनरल भीर समकक तथा इससे उच्च स्तर के अफसरों के लिए बेतनभाम: (क) मेजर जनरल चौर समकक -5900-200-6700 क. (क) स्थीकार कर ली गई। (28.16)(का) लेपिटमेंट जनरस गौर समकक्षा – 7300/~ रु (नियत) (ख) लेप्टिनेंट जनरल भीर समकक्ष का बेतनमान 7300-100-7600 र। (28.16)(ग) समस्त्र सेना चिकित्सा सेवा महानिदेशक ~ 7600 (नियस) (ग) स्वीकार कर ली गई। (28.16) (च) (i) सह चलसेमाध्यक्त/चससेना कर्माकर (ii) सह वायुसेनाध्यक्ष (iii) एयर अफसर कमांवित-इन-चीफ वायुमेना कमाव 8000 च. (नियस) (ष) स्वीकार कर ली गई। (iv) सह नीसेनाध्यक (v) फलैग अफसर कमार्थिय-इन-चीफ आफ मौसेना कमांड (28.17)(क) वससेनाध्यक्ष, नीसेनाध्यक्ष भीर वायु-सेनाश्यक्ष 9000 ६. (भियत) (क) स्वीकार कर सी गई ! (28.18)

कम सं. वेतन आयोग की सिफारिश

सरकार का निर्णय

3. बेह्रम संरचना --सैन्य परिचर्या सेवा अफसर

(क) सैन्थ परिचर्या सेवा अफसरों के लिए वेतनमान: सैन्य परिचर्या सेवा अफसरों के लिए निम्नलिखित देसन-मानों की सिफारिश की गई है:--

रैंक	प्रस्तावित वेतनमान
1. लेफ्टिमेंट	2000-60-2480 ₹.
2. मैप्टन	2550-75-3150 ▼.
3. मेजर	3200-100-3600 ₹.
 नेपिट. कर्नेल 	3800-100-4100 ₹.
5. कर्नल	4200-100-4400 ₹.
 क्विगैडियर 	4500-100-4800 ব.
7. मेजर जनरल	4900-100-5200 र. (28,20)

(क) कर्नेल रीक तक के सैन्य परिश्वमी सेवा अकसर 2200-100-4200-द.री.-100-4500 द. के एकीकृत वेतनमाम में वेतन लेंगे। निर्सिंग में स्थिति धारक 2300 द. के स्तर से शुक्र होंगें बीर विष्तोमा बारक 2200 द. के स्तर से। अन्य वेतनमान इस प्रकार हींगें:---

ब्रिगेडियर--4600-100-5000 ह. मेजर जनरल----5100-150-5700 ह. सोई रैंक बेतन महीं मिलेगा।

(ख) सैन्य परिचर्या सेवा (स्थानीय) अफसरों का वैतनमान :

मौजूदा 540-20-700 ह. का सामान्य ग्रेड भौर 650-20-810 इ. का ध्यम ग्रेड को बिलयित कर दिया जाए भौर उन्हें 1640-60-2600 इ.रो-75-2900 इ. का बेलनमान दिया जाए।,

(28.21)

सैन्य प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षणार्थियों के लिए बेतन :

कमीशन प्रवान किए जाने के पहले संबंधित सैन्य संस्थान में प्रशिक्षण के संतिम 6 महीनों के दौरान प्रशिक्षणाण्यिमें को 1500 इ. प्रतिमास की नियत राशि भवा भी जाएगी। नौसेना में सिड-शिपमैन को वेय मौजूबा दर 560 इ. के स्थान पर सब 1500 इ. प्रतिमास की नियत राशि वी जाएगी।

(28.22)

योघी सेनांगों के लिए प्रोत्साहन :

यह सुझाव दिया गया है कि प्रोत्साहन के रूप में इंफैंट्री सोपखाना ग्रीर कवित कोरों के लिए निर्धारित पाठ्यकम की परीकाएं उलीणं करने पर ग्रफसरों की ग्रहेंता धनुदान मंजूर किया जाए । यह सिफारिण की जाती है कि सरकार तोपखाना इंकेंट्री भीर कवित कोरों के लिए उन पाठ्यकमों का पता लगाए जिनके लिए धर्हता ग्रनुदान स्त्रीकार किया आएगा।

(28.23)

5.(क) भवरदता नेतन वृद्धि

जो व्यक्ति ध्रयने बेतनमान के अधिकतम पर पहुंच आएं उन्हें राहत प्रदान करने के विचार से विस्टि समय वेतनमान स्तर तक समृह "क" सेवाधों/पदों में सभी संवर्गों को सम्बद्ध वेतनमानों के धिकतम वेतनमान पर हर दो वर्ष पूरा करने पर एक भवस्य वेतनवृद्धि दी आएं। प्रधिक से धिक ऐसी तीन वृद्धियां दी जा सकती हैं। (23.10)

(का) स्वीकार कर ली गई।

स्वोकार कर ली गई।

स्वीकार कर ली गई।

5.(क) यह निर्णय किया गया है कि धवरद्वता बेतनवृद्धि की योजना को, जिसकी वेतन धायोग ने सिफारिश की है, कितपय शतों के अधीन रक्षा सेवाओं के उन अफसरों पर लागू कर दिया आए जिनका संशोधित नेतनमान में अधिकतम नेतनमान 6700 क. ते अधिक नहीं है। विस्तृत अनुदेश अलग से जारी किए जाएंगे।

कम चेतन मायोग की सिफारिस

₵.

सरकार का निर्णय

स्वीकार कर ली गई।

- भावास, फर्नीचर, जल भीर बिजजी प्रभार भावास
 - (क) किराए की मधिकतम सीमा की दरों का पुनरीक्षण:

 यह समझा जाता है कि किराए की मधिकतम सीमा की
 दरों का पुनरीक्षण संबंधी मामला सरकार के विचाराधीन
 है। इस बीच में बम्बई और कलकता के लिए किराए की
 प्रधिकतम सीमा पनास प्रतिशत तक और बढ़ाई जाए और
 दिल्ली एवं नई दिल्ली समेत घन्य स्थानों के लिए चालीस
 प्रतिशत तक बढ़ाई जाए।

 (क) स्मीकृत/बढ़ाई गई किराए की धिधकतम सीमा केवल किराए पर लेने के नए मामलों पर लागू होगी।

(28.59)

(च) युद्ध को जों में तैनात प्रकसरों को राहत

जब प्रकार युद्ध क्षेत्रों में तैनात किए जाते हैं भौर यदि उनके परिवारों के पास सरकारी प्रावास/किराए पर लिया गया भावास नहीं होता है, तो उन्हें राहत निम्नलिखित वरों पर दी जाए:--

- सेकण्ड लेफ्टिनेंट/लेफ्ट-/कैण्टन धौर प्रतिमाह 150 क इनके समकक्ष
- 2. मेजर और इनके समकका

प्रतिमाह 200 व.

 लेफ्टिनेंट कर्नल झौर इनके समकका प्रतिमाह 300 क. तथा इनसे ऊपर

(28.61)

7. परिवास मता

(क) यलतेना, नौसेना भीर वायुसेना भकसर

दस सुझाव के लिए कुछ भौकित्य है कि सैन्य वर्षियों पर होने वाले सारे व्यय की रक्षा सेनाओं के प्रफसरों को उसी सरह प्रतिपूर्ति की आए जिस तरह से प्रफसर रैंक से नीचे के कामिकों को की जाती है। सरकार इस संबंध में निर्णय ले सकती है। प्रफसरों के लिए प्रारम्भिक परिधान मले की वरें निर्धारित किए जाने तक ये वरें चलसेना भौर वायुसेना प्रफसरों के लिए 3000/-र. भौर नौसेना प्रफसरों के लिए 3500 र. नियत रहेंगी। प्रारम्भिक परिधान मत्ता और नबीकरण परिधान मत्ता और वरीं के बीच कोई मंतर नहीं होगा।

(क) जब तक सरकार यह निगंप करती है कि झक्तमरों को सैन्य बॉद्यों पर होने वाले पूरे व्यय की प्रतिपूर्ति की जाए, या नहीं, तब लक बेतन आयोग द्वारा की गई सिफारिश के झनुसार वर्दी भक्ता की बरें लाग् रहेंगी।

(च) महिला चिकित्सा ग्रफसर—महिला चिकित्सा ग्रफसरों को प्रारम्भिक परिम्नान मत्ता ग्रौर मबीकरण परिम्ना भत्ता उसी दर से मंजूर किया जाए जिस दर से थलरेना भीर वायु-सेना के ग्रफसरों को दिया जाता है।

(28.73)

(28.75)

- (ग) सैन्य परिचर्या सेवा प्रकसर----सैन्य परिचर्या सेवा घफसरों (निय-मित घौर स्वानीय----दोनों) के लिए प्रारम्भिक परिधान मत्ता घौर नवीकरण परिधान मत्ता की खिए 1000/-व. होगी।
- (ग) स्वीकार कर ली गई।

(ख) स्वीकार कर लो गई।

(च) मौसेना भकावसी कैंड्ट--कैंडेटों के लिए प्रारम्भिक परिधान भेता बढ़ाकर 3000 र. कर दिया जाए। 50/, भत्ता भिक्षण पोत में पहुंचने पर विथा जाए और ग्रेष भाग कार्यकारी सब-लेफ्टिनेंट के कप में पदोल्नत हाने पर दिया जाए।। (ष) स्वीकार करली गई।

कम तन कायोगकी सिफारिक

₹.

सरकार का निर्णय 🖟

स्वीकार कर शीगई।

8. फिट मनुरक्षण भत्ताः

महिला चिकित्सा प्रकासरों समेत चलसेना, नौसेना भौर नामुसेना के सभी ध्रकसरों को किट धनुरक्षण मला 100/-व. प्रतिमाह की बर से विधा जाए। सैन्य परिचर्या सेना प्रकासरों (नियमित भौर स्थानीय—जोनों) को किट धनुरक्षण भला 50 व. प्रतिमाह की बर से विधा जाए। (28.76)

 सैन्य परिचर्या सेवा के प्रक्रसरों को वर्षी भत्ता प्रमुशंसित वरें इस प्रकार हैं :---

विवरण:

- (1) एक सेवा से दूसरी सेवा में स्थानान्तरण होने पर सैन्थ परि-चर्या सेवा के भ्रफसरों को स्वीकार्य विशिष्ट वर्दी भर्ते (एक बार ग्रदायगी) (100 र०)
- (2) कमान घौर धलसेना मुख्यालय में नियुक्ति होने पर सैन्य परिचर्या सेवा घफसरों की स्वीकार्य विशेष भक्ता (एक बार घदायगी)

(28.77)

स्वीकार कर शीगई।

10. यात्राभत्ताः

- (क्क) मानरेरी कमीक्षन प्राप्त भनतरों को छोड़कर, लेफ्टिनेंट कर्नल मौर उससे नीचे के सेना भनतरों को मस्याई इयूटी पर रहने के दौरान दूसरे दर्जे के वातानुकूलित कुर्सीयान-2 टीयर से भी यात्रा करने की भनुमित दी जाए।
- (का) लेकिट. जनरल और उनके समकक्ष रैंक के प्रक्रमरों को भारत के प्रदर हवाई याला के लिए इक्ज्यूक्यूटिव क्लास से याला करने की धनुमति वी जाए।
- (ग) सरकार ने घत्रैल, 1986 में सैन्य अफसरों के लिए उन्हीं धादेशों के घाधार पर स्थानान्तरण पर याला भसे की हक-दारी को संगोधित किया है जो सिविलियन कर्मंबारियों के लिए लागू होते हैं। सिविलियन कर्मंबारियों को स्थानान्तरण पर याला भत्ता के पारे में की गई सिफारियों सैन्य अफसरों के लिए भी लागू की जाएं। विवाहित घौर घविवाहित अफसरों के बीच का म्णैजूबा घंतर बनाए रखा जाएं। (28.79)

11. वैनिक भत्ताः

सैन्य अक्रसरों को दौरे, शिक्षण-पाठ्यश्रमों भीर भ्रस्थाई इ्यूटी पर काने के लिए बह दैनिक मला लागू किंग्य जाए जो सिविल कर्म-भारियों के लिए की गई सिफारिशों में मंजूर निया गया है।

(28.81)

12. पिछले इ्यूटी स्टेशन तक भतिरिक्त याजा :

तैनाती के नए स्थान पर प्रावास उपलब्ध न होने की स्थिति में यदि प्रकार को प्रपता परिवार पिछली इ्यूटी वाले स्थान पर ही छोड़ना पड़ जाता है तो उसे धपने पिछली इ्यूटी के स्टेशन तक प्राने-जाने के लिए उसकी हक्कारी खेणी का प्रतिरिक्त किराया/नि:शुल्क वार्रट दिया आए। (28.89)

13. रागन:

सरकार में शांति क्षेत्रों में भी भिगेबियर भीर समक्रक रेंग्न तक के धापसरों के लिये भी मुक्त राशन की सुविधा लागू की है। यह सुविधा क्षिगेबियर भीर उसके समकक्ष रेंक से उच्च रेंक के भाषतरों की भी मिलती काहिये! (28.85)

- (क) इस संशोधन के साथ स्वीकार कर ली गई कि घानरेरी कमीक्षन प्राप्त अकसरों को भी श्रस्थायी इयूटी पर रहने के दौरान दूसरे दर्जे के वातानुकूलित कुर्सीयान 2-टीयर से याका करने की अनुमति होगी।
- (ख) स्वीकार कर ली गई।

(ग) स्वीकार कर ली गई।

स्वीकार कर शी गई।

स्वीकार कर ली गई।

स्वीकार कर ली गई।

क्रमसं. वेतन भाषोग की सिफारिश

सरकार का निर्गन

14 वियुक्ति भत्ता (शांति-क्षेत्र) :

मैजर जनरल धौर उनसे उन्च तथा समकक्ष रैंक के प्रफसरों को स्त्रीकार्य 200 र. प्रतिमाह का मौजूदा विपूक्षित कसा (शांति क्षेत्र) खरम कर दिया जाये। (28.88)

स्थीकार कर ली गई।

15 तकनीकी वैतम :

तकनीकी बांचों में प्रफसरों की कभी को व्यान में रखते हुए
तकनीकी वेतन की मंजूरी की धनाए रखने की जरूरत है ताकि
तकनीकी स्मातकों को तीनों सैनाधों में भर्ती होने के लिए धाकुष्ट किया
जा सके। सरकार समय-समय पर स्थित की समीधा करेशी रहेगी और उन
बांचों/कोरों तथा पाठ्यकमों/ब्रह्ताओं को नियत करेंगे जिनके निये तकनीकी
वेतन स्वीकार्य होना चाहियें। कतिपय निर्धारित पाठ्यकमों के पूरा हो जाने
पर तकनीकी वेतन मंजूर करने की शर्स की हटाना स्वीकार नहीं किया जा
सकता है। यद्यपि सरकार समय-समय पर तकनीकी वेतन की राशि की
पुनरीक्षा करेगी फिर भी, प्रगली पुनरीक्षा होने तक वर्तमान वरों की पचास
प्रतिशत तक बढ़ाया जाये। (28.90)

स्वोकार कर ली गई।

16 घहुँता भनुदान :

महैंता मनवान उन महैंताओं को प्राप्त करने और पाठ्यकम परीक्षाओं को उत्तीर्ण करने पर दिया जायें जो सरकारी कार्य के लिये लाभकर धौर संगत मानी जाएं। भतः सरकार उन विभिन्न पाट्यकमों की समय-समय पर पुनरीक्षा करती रहेगी जिनके लिये छहंता मनुवान देय है ताकि उसको आगे बनाए रखने की भावश्यकता का निर्धारण किया जा सके। जहां तक अहँ ना भनुवान की राशि मंजूर करने का संबंध है, मौजूदा वरों को 25% तक बढ़ा दिया जाये। यह भी सिफारिश की जाती है कि जज एडवोकेट जनरल विभागीय परीक्षाएं उत्तीर्ण करने के लिय पुरस्कार भी राशि को 1000 ६. से बढ़ा कर 1600 ६. कर दिया जाये। (28.91)

स्योकार कर लो गई।

17. सेना चिकित्सा कोर/सेना दन्त चिकित्सा कोर के लिये त्रिशेषझ बैतन सेना चिकित्सा कोर/सेना वन्त चिकित्सा कोर के प्रकसरों के लिये विशेषझ बेतन निम्नलिखित संशोधित वरों के झनुसार विया जाये :—

(क) ग्रेड विशेषक

400/- €.

(ख) वर्गीकृत विशेषज्ञ

500/- ₹.

(ग) **प्रोफैसर/**पराम**र्श**दासा/सलाहकार

600/- i.

(28.92)

स्वीकार कर ली गई।

18. यु**ब-शेत्र** सेवा रिवायते :

युद्ध क्षेत्र सेवा रियायर्ते मंजूर करने के लिये क्षेत्रों के मौजूदा कर्गीकरण का मरकार क्षारा पुनरीक्षण किया जाये। सरकार पृद्ध क्षेत्र सेवा रियायत देने का निर्णय भी ले सकती है जो कि संबंधित क्षेत्रों में क्षसैनिक कर्मवारियों के लिये सुकाये गये विशेष प्रतिपूर्त भत्तों को ध्यान में रक्षते हुए देय होना काहिये। (28.98) देव रियामतों के बारें में पूनरोक्षण कियें जाने ग्रीर निर्णय होने तक, युद्ध क्षेत्र सेवा-रियायत की मौजूबा वरें लागू रहेंगी।

19 उड़ीन गेतन:

उड़ान शाखा में अफसरों के लिये उड़ान बेतन की निम्क्लिखित वरों की सिफारिश की जाती है:---

वर्ग

उड़ान येतन की प्रस्तावित दर

(र. प्रति माह)

(1) ग्रुप कैप्टन रैंक तक

1200/- इ.

(2) ग्रुप कैंग्टन से उच्च रैंक के घफसर, 900/- रु. उड़ान बेतन की मंजूरी के श्रिये वर्तमान मार्ते घागे भी लागू होती रहेंगी। उड़ान तिन की ये दरें मौसेना के मौसेना विभावन माखा के घफसरों के लिये भी लागू होंगी। (28.100) स्थीकार कर ली गई।।

उड़ान वैतन की ये बढ़ी हुई दरें यल सेना के हवाई प्रीकाण भौकी पायलटों के लिये भो लागू होंगी।

			[21212 2 2241 2]
#मसं. वैतन भागोग की सिफ	ारि णें	सरकार का निर्णय	
20. पत्रकृष्णी चेतन :			
केप्टन नेंक सक के ध्रफसरों वर से दिया जाये। उड़ान वेतन है दिया जाता रहे जब तक कि कोई क	वेतन के समतुत्य होनी चाहिये। को पनवृष्टी वेतन 1200/- ह. की के झनुरूप ही; पनुष्टी वेतन तथ तक प्रकपर पनवृद्धी याखा में तैनात रहता प्रकपर पनवृद्धी याखा में तैनात रहता प्रन्य सभी गर्ते वर्षमान शर्तों के अप्तुसार (28.101 धीर 28.102)	स्वीकार कर ली गई ।	
21. पनडुम्बी मत्ता:			
के प्रयोजन के लिये पनदृक्षी	ाब प्रणिक्षण/प्रभ्यास और परीक्षण शाख्य में तैनात किये जार्थे तो उन्हें बिना 15/- घ. प्रति दिन कें हिंसाम से (28.102)	स्त्रीकार कर ली गई ।	
		स्त्रीकार कर झी गई ।	
23. गोताखोरी भत्ता/हिप मनी:			
गोताखोरी भत्ते की भौजूबा दरों को भी जाए ।	चेंदिए भनुसार संशोधित किया		
(क) क्लियरेंस गोताखोर घफसर	200/- स. प्रति माह्	स्वीकार कर ली गई।	
(स्त) पोत गोताकोर भ्रफसर "डिप मनी" की वर्समान दरें दुगुनी	•		
24. सर्वेक्षण इनाम (बाउण्टी)/वेतन :			
वार्षिक सर्वेक्षण इनाम (वाउण्टी) वेशन दिया जाए को निम्मिति को देय होना जो झफसर सर्वेक्षण सर्वेक्षण कार्यों पर लगाये गये हैं:-	निखत दरों पर उन ग्रफसरों संदर्गके हैं और वास्तविक रूप से		
(क) सर्वेक्षणवर्ग-IV	200/- भे. प्रति माह		
(छ) सर्घेक्षण वर्ग-III	2.50 /- र. प्रति माह	स्वीकार कर ली गई।	
(ग) सर्वेक्षण वर्ग-II	300/~ रु. प्रति माध्		
(च) सर्वेक्षण वर्ग-I	350/- क. प्रति माह		
(क्र) कार्यभार (जार्ज) सर्वेक्षण	350/- रु. प्रति माह ग प्रकलरों की सर्वेक्षण वेतन की न्यूनतम आये।		
	(28.106)		
25. मन्य मर्तेः			
ग्रन्य मत्तों के संबंध में निभ्नलिखित दरे	ांकी सिकारिश की गई। है:		
मलों का नाम	दरें (स्पयों में)		
(1) बाह्-संस्कार भला	500 /- .		
 राष्ट्रीय कैंडेट कीर यूनिटों में सैनात अफसरों के लिये प्रशिक्ष शिविर भत्ता पैरा वेतन (बलसेना) पैरा बारक्षित वेतन (बलसेना) 	प्रशिक्षण शिक्षिर भला हटा दिया णे जाये भौर भ्रफतरों को भ्रपने दैनिक भले का एक चौथाई भाग लेने की भ्रमुमति प्रदान की जाये । 150/- रु. प्रतिमाह पैरावेतन का 50 प्रतिकात	े स्वीकार कर जी गई	
(5) विशेष कमांडी भक्ता (यल सेना) (6) र्टस्ट पायलट भक्ता (वायुसेना/ मौसेना)	350/-रु. प्रतिमाह उड़ान वेतन का एक तिहा€		
(7) "पैरा जस्प" झर्नुरेणक वेतन	300/- र. प्रतिमाह		
इन भत्तों की मंजूरी की वर्तमान	ाशत जारा रन्धा जाय। (28.108)		

कम सं. वेतन धारीग की सिफारिश

सरकार का निर्णय

26 परियोजना मत्ताः

परयोजना भक्ता उन सैन्य मफसरों को भी वियाजायेगा जो रक्षा मंत्रालय के मुझीन किसी संगठन की किसी परियोजना को छोष्कर किसी भन्य संगठन में प्रतिनियुक्ति पर हों भौर उन प्रकारों को प्रतिनियुक्ति पर माना गया हो भौर वे किसी भी प्रकार का युद्ध क्षेत्र-प्रेजा-भन्ता लेने के हकदार न हों। (28.109)

27. मते, रियायनों ग्रीर प्रसविधायें:

महंगाई , भता भीर बच्चों के लिय शैक्षिक महायता जैसे कुछ मत्ते वही हैं जो भ्रसैनिक कर्मचारियों के लिये हैं भीर मंदंधित भ्रष्ट्यायों में हमारी सिफारियों सशस्त्र सेना कार्मिक पर भी लागू होंगी। (28,55)

28. बैतन निर्धारण:

चतुर्षं थेतन प्रायोग की रिपोर्ट के प्रध्याय 30 में सिविलियन कर्मेचारियों के लिये प्रमुखासित वेतन निर्धारण की पद्धति समस्त्र सेनाकार्मिकों के लिये भी लागू की जाये। चृंकि रैंक वेतन विगेडियर भौर उसके समकक्ष रैंक तक के प्रफसरों के लिये एक पृथक घटक (एलीमेंट) है इसलिये एकीकृत वेतनमान में वेतन निर्धारित करते समय उसे हिसाब में लिया जाये।

(28.113)

29 लाग् होने की सारीख:

- (1) सिफारिश किये गये वेतनमानों का लाभ चालू वित्तीय वर्ष के शृह्य से देनः प्रणासनिक वृष्टि से सुविधाजनक होगा।
- (2) मन्य मामलों पर की गई सिफारिशों के संबंध में उन्हें उन्तृत्त तारोख से लागू करने के बारें में प्रशासनिक भीर लेखा संबंधित कार्यों सहित सभी संगत पहलुओं को ध्यान में रखते हुए सरकार को निर्णय लेना होता।

स्वीकार कर ली गई

भारत सरकार, वित्त मंत्रात्रय (ध्यय विभाग) के 13-3-87 के संकरण संव 14(2)-प्रार्ट सी/86 के प्रकारत दर्शाई गई सोमा तक स्थोजन।

स्वीकार कर ली गई

- (1) वेतनमुनों कं यंश्वं में दी गई सिकारिशां पर निर्णय पहली जनवरी, 1986 से आगू किया जायेगा । जनवरी से मार्च, 1986 तक शुद्ध बकाया राणि भफसरों के भविष्य निधि लेखे में जमा कर दी जायेगी ।
- (2) लागू होने को नारीख संगत सरकारी भादेशों में विनिर्दिष्ट क्रंट ची जायेगी।

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 18th March, 1987

RESOLUTION

No. 1(E):—The decisions of the Government of India on the recommendations of the Fourth Pay Commission relating to personnel below officer rank of the Armed Forces were notified in the Ministry of Defence Resolution No. 1-E dated 4th October, 1986. Government have now given careful consideration to the recommendations of the Commission relating to structure of emoluments and allowan ces of Commissioned Officers and have decided that recommendations of the Commission in respect of these shall be accepted broadly, subject to the modifications mentioned below:—

I. Pay Scales

(i) Integrated pay scale for officers upto the rank of Brigadiers (including AMC, ADC and RVC Officers, but, excluding Military Nursing Service Officers) and equivalent in the Navy and the Air Force would be Rs. 2300 -100-3900-150-4200-EB-150-5100. In addition to pay in the integrated scale, rank pays will be admissible as under:—

Rank					Amount of Rank Pay
					(Rs. per months)
Captain and equivalent					200
Major and equivalent .					600
Lt Col (Selection) and equival	lent				800
Colonel and equivalent .					1000
Brigadier and equivalent .					1200

(ii) Officers commissioned in the AMC as Lieutenants will start at the stage of Rs. 2600/-; those appointed as Captains will start at Rs. 2700. Officers commissioned as Lieutenants in ADC and RVC will start a Rs. 2600.

(iii) Lt Gen & equivalent

- -- Rs.7300-100-7600
- (iv) MNS Officers upto the rank of Colonel will have an integrated pay scale of Rs. 2200-100-4200-EB-100-4500. Degree holders in Nursing will start at the satage of Rs. 2300 and Diploma holders will start at Rs. 2200/-. Pay scale of Brigadier will be Rs. 4600-100-5000 and that of Maj General will be Rs. 5100-150-5700. There will be no rank pay for MNS Officers.
- II: Recommendations relating to other matters.
- (i) It has been decided to extend the scheme of stagnation, increment, recommended by Pay Commission, to officers of the Defence Services maximum of whose pay scale does not exceed Rs. 6700 in the revised scale subject to certain conditions.
- (ii) The recommendations of the Commission relating to fixation of pay, grant of allowances, date of effect, etc, shall be accepted broadly after extending, wherever applicable, to Service Officers, the improvements which have been accepted in regard to personnel below officer rank.
- 2. In view of the need for containing inflationary trends, Government hope that Service Officers will voluntarily make a special deposit of the arrears of pay on account of the above decisions for the period beyond March, 1986, also in their provident fund account.
- 3. The decisions taken by the Government accordingly on the various recommendations of the Commission in respect of Service Officers are indicated in the statement annexed to this Resolution.
- 4. The recommendations made by the Commission, which are not included in the Annexure are being a examined by the Government and decisions thereon will be notified separately.

V.N. BAHADUR, Jt. Secy.

600

800

1000

1200

Statement Showing the Recommendations of the Fourth Central Pay Commission Relating to Armed Forces Officers and Government Decisions thereon (Figures Referred in Parenthesis Pertain to Chapters and Paragraphs of the Pay Commission Report.

Serial No.	Recommedations of the Pay Commission		Decis	sions of	the Government
1	2			3	
1. Pa	y Structure—Service Officers upto the requivalent	rank of Brigadier &			
(a)	Integrated Pay Scale—An integrated 100-4200-EB-100-5000 is recommen the rank of Brigadier and equivalent cluding officers in the specialised care RVC. (28.12 and 28-14)	ded for all officers upto in the three Services in-	(a)	-	d with improvement as under:—- 00–100–3900–150–4200 E-B- 0
(b)	following rank pays may be given to their equivalent in the other Services	officers in the Army and:—			-
	Rank .	Amount of Rank Pay (Rs. p.m.)	Ran	ık	Amount of Rank Pay (Rs. p.m.)
	1. Captain and equivalent	200	Cap	ot and e	equivalent 200

400

600

800

1200

Major and equivalent

Colonel and equivalent

Brigadier and equivalent

Lt Col (Selection)

and equivalent

In Navy, a Captain, on completion of three years' service in that rank, will draw the rank pay of Rs. 1200 p.m. recommended for Brigadier (28.13)

2. Major and equivalent

4. Colonel and equivalent

5. Brigadier and equivalent

3. Lt Col (Selection and equivalent)

Serial No.						cisions of the	Govern	ment	<u>_</u>
1	2					3		—— - — · · ·	
(c)	Pay for entrants to AMC, ADC and RVC may be gi integrated scale:—				(c)	Pay of entrar RVC will be			DC and
		AMC	ADC	RVC			AMC	ADC	RVC
	 Interns Registered 	Rs. 2500 2600	Rs. 2400 2500	Rs. 2400 2500		*Lieutenants Captain	Rs. 2600 2700	Rs. 2600	Rs. 2600
	,			(28.19)	a	n ADC and Recommission	VC, Re		
(d)	views for those constituting of them who can no longe tinue in the integrated pay retirement. Government relating to selection proce officers so that at the E.B. grade are not continued in	g the non-select r be useful are scale upto the should review dure and prem stage officers w service (28.15)	stream so not allowed e prescribed the existinature retire tho do not	that such d to con- d ages of ing rules ement of make the		Accepted.			
(e)	Abolition of Selection Grain the ranks of Major an equivalent be abolished (d equivalent a				Accepted.			
	Scale for Major Generals and								
(a)	Major General and equival	lent—Rs. 5900-	-2006700- (28.16)			Accepted. Lt General a	ınd equi	valent w	ill have
				,	. (0)	a pay scale of			
(b)	Licutenant General equiva	lentRs. 7300	(fixed) (28.16))					
(c)	DGAFMS	<u> </u>	7600/-(Fixe		(c)	Accepted.			
(d)	(ii) Vice Chief of Air Staff (iii) Air Officer Commandin mands	g-in-Chief of A	ir Com-	Rs. 8000/-					
	(iv) Vice Chief of Naval St (v) Flag Officer Comman Comands	taff iding-in-Chief	1	(Fixed)	(d)	Accepted.			
(e)	Chief of Army Staff Chief of Naval Staff and Chief of Air Staff		,	Rs. 9000/- (fixed) (28.18)	(c)	Accepted.			
	y Structure—MNS Officers Pay Scales for NS Officers- recommended for MNS Of	ficers:—			(a)	MNS Office Colonel will tegrated pay	draw scale o	pay in of Rs. 22	the in- 200-100-
	Rank 1. Lieutenant 2. Captain 3. Major 4. Lieutenant Colonel 5. Colonel 6. Brigadier 7. Major General		Proposed P Rs, 2000–60 Rs, 2550—7 Rs, 3200—1 Rs, 3800—1 Rs, 4200—1 Rs, 4500—10 Rs, 4900—1	0-2480 75—3150 00—3600 .00—4100 00—4400 00–4800		4200-EB-100 in Nursing wof Rs. 2300, will start at scales will be Brigadier—R Major Gener There will be	vill start, and I Rs. 22/ :: s. 4600— al —Rs.	at the solid plants of the	stage of holders er pay 00 0–5700.

Serial No.	Recommendations of the Pay Commission	Decisions of the Government	,
1	2	3	

- (b) Pay Scales MNS (Local) Officers—The existing ordinary grade (b) Accepted. of Rs. 540-20-700 and the Selection Grade of Rs. 650-20-810 may be merged and given the scale of Rs. 1640-60-2600 -EB-75-2900. (28.21)
- 4. Pay for Trainees in Service Training Institutions Accepted. During last 6 months of training at the respective Service Institutions prior to being commissioned the Trainees may be paid a fixed amount of Rs. 1500 p.m. This will also be admissible to Midshipman in the Navy in place of the existing rate of Rs. 560.

5. Incentive for Combat Arms-It has been suggested that by Accepted. way of incentive, Qualification Grant may be given to Officers on passing the specified courses for Infantry, Artillery and Armoured Corps. It is recommended that Government may identify the courses for Artillery, Infantry and Armoured Corps which would qualify for sanction of Qualification Grant.

(28.23)

5-A. Stagnation increment—In order to provide relief to those who reach the maximum of their pay scale, one stagnation increment on completion of every two years at the maximum of the respective scales may be granted to all cadres in Group 'A' Services/Posts upto the Senior Time Scale Level. A maximum of three such increments may be allowed.

(23.10)

5.A It has been decided to extend the stagnation increment, scheme of recommended by Pay Commission, to officers of the Defence Services maximum of whose pay scale does not exceed Rs. 6700 in the revised scale subject to certain conditions. Detailed instructions will be issued separately.

ceilings will apply to fresh hirings

rental

- 6. Accommodation, Furniture, Water and Electricity Charges Accommodation:
 - (a) Revision of Rates of Rental Ceillings: It is understood that the matter regarding revision of rental (a) Accepted. The enhanced

ceilings is under examination of Government. In the meantime, the rental ceiling for Bombay and Calcutta may be increased by fifty per cent, and for other stations including Delhi and New Delhi by forty per cent.

(28.59)

Where officers are posted to field areas and their families are not occupying Govt. owned/hired accommodation, relief may be provided at the following rates:--

- 1. Second Lt/Lt /Captain and equivalent Rs. 150 p.m.
 - 2. Major and equivalent

(b) Relief to Officers posted to Field areas:

. Rs. 200 p.m.

3. Lt. Col and equivalent and above Rs. 300 p.m.

(28.61)

7. Outfit Allowance:

(a) Army, Naval & Air Force Officers:

There is some justification for the suggestion that the entire (a) Until the Govt. decides whether the expenditure on service uniforms may be reimbursed to officers of the Defence Forces as is being done for personnel below

entire cost of service uniforms should be remibursed to the Officers, the

only.

[414 1	-वाण्क उ]	पन : असाधारण	13
Serial No.	Recommendations of the Pay Commission		Decisions of the Government
1	2		3
	officer rank. Govt. may take a decision in the matthen, the rates of Initial Outfit Allowance for Serv may be fixed at Rs. 3000 for Army and Air For 3500 for Navy. There may be no difference betrates of Initial Outfit Allowance and Renewal Outfit A	ce officers ce and Rs. ween the	rates of outfit allowance recommended by the Pay Commission will apply.
(b)	Lady Medical Officers—Lady Medical Officers granted Initial Outfit Allowance and Renewal Ot ance at the same rates as applicable to officers in Air Force.	atfit Allow-	(b) Accepted.
(c)	MNS Officers—For Officers of the MNS (both relocal), the amount of Initial Outfit Allowance an Outfit Allowance may be Rs. 1000	egular and	(c) Accepted.
(d)	Cadets in Naval Academy—The Initial Outfit Allothe Cadets may be Increased to Rs. 3000, 50 per paid on joining the training-ship and balance on as Acting Sub. Lt.	cent being	(d) Accepted.
to M ed	Maintenance Allowance—KMA may be paid at Rs all officers in Army, Navy and Air Force, includin dical Officers. KMA may be paid at the rate of Rs MNS Officers, (both regular and local).	s. 100 p.m. ng Lady s. 50 p.m.	Accepted.
The	iform Allowance to MNS Officers: recommended rates are as under:— escription:	(28.76).	
(i) 1	Distinctive uniform allowance admissible to MNS Officers on transfer from one Service to another (one-time payment). Special Allowance admissible to MNS Officers for appointment at Command and Army HQ (One-time payment).	Rs. 600	Accepted.
		(28.77)	
(a) S	avelling Allowance Service officers of the rank of Lt. Col. and below, Honorary Commissioned Officers, may be allowed to 2nd ACC. 2-tier also while on temporary duty. Officers of the rank of Lt. General and equivalen	o travel by	(a) Accepted, with the modification that Honorary Commissioend Officers will also be allowed to travl by AC 2-tier while on temporary duty.
;]	allowed to travel by Executive Class for air journe India.	eys within	(b) Accepted.
1	Govt. have revised the transfer TA entitlement for Scers in April 1986 on the basis of similar orders to civilian employees. The recommendations in region transfer to Civilian employees may be extended Officers also. The existing differential between massingle officers may be continued.	applicable ard to TA to service	(c) Accepted.

Serial No.	Recommendations of the Pay Commission	Decisions of the Government
1	2	3

11. Daily Allowance — In the matter of grant of Daily Allowance to Service Officers proceeding on tour, courses of instruction and temporary duty, the recommendations made for civilian employees may be extended to them.

Accepted

12. Additional Journey to Previous Duty Station-An additional Accepted fare/free Warrant by the entitled-class for both onward and return journey may be allowed for journey to the previous duty station in case the officer has to leave the family behind due to non-availability of accommodation at the new station of posting.

13. Rations — The facility of free rations has been extended by Govt. in peace areas also to officers upto the rank Brigadier and equivalent. This facility should be admissible to officers above the rank of Brigadier and equivalent also. (28.85)

Accepted

14. Separation Allowance (Peace)

The existing Separation Allowance (Peace) of Rs. 200/- p.m. Accepted admissible to Officers of the rank of Major General and above and equivalent may be discontinued. (28.88)

- 15. Technical Pay-Keeping in the shortage of officers in the technical branches, there is need for continuance of grant of Technical Pay to attract technical graduates to the three Services. Government may review the position from time to time and decide the Branches/Corps and the courses/qualifications for which Technical Pay should be admissible. Delinking the grant of Technical Pay from completion of certain specified Courses cannot be agreed to. Whilst the quantum of Technical Pay may be reviewed by Government from time to time, the existing rates may be increased by fifty per cent till the next review. (28.90)
- 16. Qulification Grant Qualification Grant should be payable for acquiring qualifications and on passing courses which are considered beneficial and relevant for official duties. Government may therefore periodically review the various courses for which the Qualification Grant is payable to determine the need for continuance. As regard the amount of Qualification Grant, the existing rates may be increased by 25%. It is also recommended that reward for passing Judge Advocate General departmental examinations may be increased from Rs. 1000 to Rs. 1600.

17. Specialist Pay for Army Medical Corps/Army Dental Corps Specialist Pay for officers of the AMC and ADC may be given at the following revised rates:-

> Rs. 400 | Accepted (a) Graded Specialist (b) Classified Specialist 500 } 600 | (c) Professor/Consultant/Advisor (28.92) J

18. Field Service Concessions-The existing Classification of areas for the grant of Field Service Concessions may be reviewed by the Government. The Government may also decide the Field

Pending the review and the decision on the concessions which should be admissible, the existing rates of Field

Accepted

Seria No.	•	Decisions of the Government
1	2	3
	Service Concessions which should be admissible taking into account the Special Compensatory Allowances recommended for the civilian employees in the concerned areas. (28.98)	Service Concessins will continue.
	Flying Pay — The following rates of Flying Pay for Officers in the Flying Branch are recommended:— Category Proposed rate of Flying Pay (Rs. p.m.)	Accepted. The enhanced rates of flying pay will apply also to AOP Pilots of the Army.
	(i) Upto Group Captain 1200	
	ii) Above Group Captain 900	
	Existing conditions for grant of Flying Pay may continue to be applicable. The rates of Flying Pay will also be applicable to officers of the Naval Aviation Branch of Navy. (28.100)	
20		
	Submarine Pay — Rates of Submarine Pay may be at par with the Flying Pay. Officers upto the rank of Captain may be paid Submarine Pay at the rate of Rs. 1200. On the analogy of Flying Pay, Submarine Pay may continue to be paid so long as an officer is posted in the Submarine Branch. All other conditions for grant of Submarine Pay may continue as at present. (28.101 and 28.102)	·
21.	Submarine Allowance — Non-submarine cadre officers when attached to Submarine Branch for purposes of training/exercise and trials be paid submarine allowance at Rs. 15 per day, without any monthly ceiling.	
	(28.102)	
22.	Hardlying Money — Rate of Hardlying Money for the officers may be revised to Rs. 100 per month. The existing classification of ships for grant of Hardlying Money at full/half rates may Continue. (28.103)	•
23.	Diving Allowance/Dip Money—The existing rates of Diving Allowance may be revised as under:—	Accepted
	Rs.	
(a) Clearance Diving Officers 200 p.m.	
(b) Ship Diving Officers 100 p.m.	
	The existing rate of Dip Money may be doubled.	
	(28.104)	
	Survey Bounty/Pay — The annual Survey Bounty may be replaced by monthly Survey Pay which would be payable at the following rates to officers who belong to Survey Cadre and are actually engaged in survey duties:—	Accepted
(a) Surveyor Class IV — Rs. 200 p.m.	
(b! Surveyor Class III — Rs. 250 p.m.	
(c) Surveyor Class II — Rs. 300 p.m.	
(d) Surveyor Class I — Rs. 350 p.m.	
	e) Charge Surveyor — Rs. 350 p.m.	
	Non-survey officers serving on board survey ships may be granted 50% of the lowest rate of Survey Pay. (28.106)	

Recommendations of the Pay Commission Serial Decisions of the Government No. 1 2 3 Other Allowances 25. Recommended rates of other allowances are: Name of Allowance Rate (Rs.) (i) Funeral Allowance Rs. 500 (ii) Training Camp allowance for Training Camp Allowance officers posted in NCC Units. may be abolished and Officers permitted to draw > Accepted one-fourth of Daily Allowance. (iii) Para Pay (Army) Rs. 150 p.m. (iv) Para Reserve Pay (Army) 50 per cent of para pay. (v) Special Commando Allowance Rs. 350 p.m. (Army) (vi) Test Pilot Allowance (Air One third of the Flying Pay. Force/Navy) (vii) Para Jump Instructor Pay Rs. 300 p.m. Existing conditions governing grant of these allowances may continue. (28.108)26. Project Allowance - Project Allowance may be extended to the Accepted Service Officers if they are deputed to a project in organisations other than those under the Ministry of Defence and the Officers are treated as on deputation and are not eligible for any Field Service Concessions. (28.109)27. Allowances, Concessions and Benefits—Some of the allowances Accepted to the extent shown in Governlike Dearness Allowance and educational assistance for children ment of India, Ministry of Finance, are the same as for the civilian employees and our recommenda-Department of Expenditure Resolution tions in the relevant Chapters will apply to Armed Forces Per-No. F. 14(2)/IC/86 dated 13-3-1987. sonnel also. (28.55)28. Fixation of Pay - Method of fixation of pay recommended Accepted for civilian employees in Chapter 30 of the Report should also be applied to the Armed Forces. Since Rank Pay is a separate element for officers upto the rank of Brigadicr and equivalent, the same may be taken into account while fixing pay in the integrated scale of pay, (28.113)29. Date of Effect (i) It would be administratively convenient to give the bene-(i) The decision on the recommedation fits of the scales of pay recommended from the beginning relating to Pay Scales shall be made of the current financial year applicable w.e.f. 1-1-1986. The net amount of arrears for the period January to March 1986, will be deposited in the Provident Fund Accounts of the officers. (ii) In regard to recommendations on other matters, Govern-(ii) The date of effect will be specified in ment will have to take specific decisions to give effect to the relevant Government orders. them from a suitable date, keeping in view all relevant aspects, including the administrative and accounting work.